8. एक वृक्ष की हत्या

एक वृक्ष की हत्या कवि परिचय कुँवर नारायण का जन्म 19 सितंबर 1927 ई० में लखनऊ, उत्तर प्रदेश में हुआ था। कुँवर। नारायण ने कविता लिखने की शुरुआत सन् 1950 के आस-पास की। उन्होंने कविता के अलावा चिंतनपरक लेख, कहानियाँ और सिनेमा तथा अन्य कलाओं पर समीक्षाएँ भी लिखीं हैं, किंतु कविता उनके सृजन-कर्म में हमेशा मुख्य रही । उनको प्रमुख रचनाएँ हैं - 'चक्रव्यूह', 'परिवेश: हम तुम', 'अपने सामने', 'कोई दूसरा नहीं', 'इन दिनों' (काव्य संग्रह); 'आत्मजयी' (प्रबंधकाव्य): 'आकारों के आस-पास' (कहानी संग्रह); 'आज और आज से पहले' (समीक्षा) : 'मेर साक्षात्कार' (साक्षात्कार) आदि। कुँवर नारायण जी को अनके पुरस्कार एवं सम्मान प्राप्त हो चुके हैं जो इस प्रकार हैं - 'साहित्य अकादमी पुरस्कार', 'कुमारन आशान पुरस्कार', 'व्यास सम्मान', 'प्रेमचंद पुरस्कार', 'लोहिया सम्मान', 'कबीर सम्मान' आदि ।

कुँवर नारायण पूरी तरह नगर संवेदना के कवि हैं। विवरण उनके यहाँ नहीं के बराबर है, पर वैयक्तिक और सामाजिक ऊहापोह का तनाव पूरी व्यंजकता के साथ प्रकट होता है। आज का समय और उसकी यांत्रिकता जिस तरह हर सजीव के अस्तित्व को मिटाकर उसे अपने लपेटे में ले लेना चाहती है, कुँवर नारायण की कविता वहीं से आकार ग्रहण करती है और मनुष्यंता और सजीवता के पक्ष में संभावनाओं के द्वार खोलती है। नयी कविता के दौर में, जब प्रबंधकाव्य का स्थान लंबी कविताएँ लेने लगी, तब कुँवर नारायण ने 'आत्मजयी' जैसा प्रबंधकाव्य रचकर भरपूर प्रतिष्ठा प्राप्त की। उनकी कविताओं में व्यर्थ का उलझाव, अखबारी सतहीपन और वैचारिक धुंध के बजाय संयम, परिष्कार और साफ-सुथरापन है। भाषा और विषय की विविधता उनकी कविताओं के विशेष गुण माने जाते हैं। उनमें यथार्थ का खुरदुरापन भी मिलता है और उसक सहज सौंदर्य भी।

तुरंत काटे गए एक वृक्ष के बहाने पर्यावरण, मनुष्य और सभ्यता के विनाश की अंतर्व्यथा को अभिव्यक्त करती यह कविता आज के समय की अपरिहार्य चिंताओं और संवेदनाओं का रचनात्मक अभिलेख है। यह कविता कुँवर नारायण के कविता संग्रह 'इन दिनों से संकलित है।

नई कविता काल के प्रखर कवि कुंवर नारायण नगर संवेदना के कवि हैं। उनकी रचनाओं में वैयक्तिक और सामाजिक उहापोह का तनाव पूरी व्यंजकता के साथ प्रकट होती है। आज का समय और उसकी यांत्रिकता जिस तरह हर सजीव के अस्तित्व को मिटाकर उसने अपने लपेटे में ले लेना चाहती है, कुँवर नारायण की कविता वहीं से आकार ग्रहण करती है और मनुष्यता और सजीवता के

पक्ष में संभावनाओं के द्वार खोलती हैं। भाषा और विषय की विविधता उनकी कविताओं के विशेष गुण माने जाते हैं।। प्रस्तुत कविता में कवि तुरंत काटे गये वृक्ष के बहाने पर्यावरण, मनुष्य और सभ्यता के विनाश की अंतर्व्यथा को अभिव्यक्त किया है। कवि के घर के सामने ही वर्षों पुराना एक बड़ा पेड़ था जो काट लिया गया है। कभी यह पेड़ दूसरों को छाया देकर उसकी थकान दूर करता था। उसके घर की रखवाली करता था किन्तु आज वह निर्जीव बन पड़ा है। पुराना होने के कारण उसके छाल धूमिल हो गये थे। उसकी डालियाँ राइफल की तरह तनी हुई रहती थी अक्खड़पन उसके नस-नस में था, धूप, वर्षा, सर्दी, गर्मी में वह सदा चौकन्ना रहता था किन्तु आज वह बेजान हो गया है। दूर से परिचय पूछकर दोस्तों को एक नई ताजगी देकर मन की व्यथा को हरण करने वाला वृक्ष दुश्मनों के द्वारा काट लिया गया। वस्तुतः यहाँ कवि बताना चाहता है कि गाँव, शहर वातावरण को बचाना है तो पहले पेड़ को बचाना चाहिए। वृक्ष हमारे मित्र हैं। मित्र को दुश्मन समझ कर उसका विनाश करना मानव जाति को विनाश करना है।

शब्दार्थ अक्खड़ : विपरीत परिस्थितियों में डटा रहने वाला

बल-बूता : शक्ति-सामर्थ्य

अन्देशा : आशंका

नादिरों : नादिरशाह नामक ऐतिहासिक लुटेरे और आक्रमणकारी की तरह के क्रूर व्यक्ति

Q 1. कवि को वक्ष बूढ़ा चौकीदार क्यों लगता था ?

उत्तर :- कवि एक वृक्ष के बहाने प्राचीन सभ्यता, संस्कृति एवं पर्यावरण की रक्षा की चर्चा की है। वृक्ष मनुष्यता, पर्यावरण एवं सभ्यता की प्रहरी है । यह प्राचीनकाल से मानव के लिए वरदानस्वरूप है, इसका पोषक है, रक्षक है । इन्हीं बातों का चिंतन करते हुए कवि को वृक्ष बूढ़ा चौकीदार लगता था।

Q 2. वृक्ष और कवि में क्या संवाद होता था ?

उत्तर :- कवि जब अपने घर कहीं बाहर से लौटता था तो सबसे पहले उसकी नजर घर के आगे स्थिर खड़ा एक पुराना वृक्ष पर पड़ती । कवि को आभास होता मानो वृक्ष उससे पूछ रहा है कि तुम

कौन हो? कवि इसका उत्तर देता-मैं तुम्हारा दोस्त हूँ। इसी संवाद के साथ वह उसके निकट बैठकर भविष्य में आने वाले पर्यावरण संबंधी खतरों का अंदेशा करता है।

Q 3. "एक वृक्ष की हत्या' शीर्षक कविता का भावार्थ लिखें।

उत्तर :- प्रस्तुत कविता में कवि एक पुराने वृक्ष की चर्चा करते हैं। वृक्ष प्रहरी के रूप में कवि के घर के निकट था और वह एक दिन काट दिया जाता है। कवि के चिंतन का मुख्य केन्द्र-बिन्दु कटा हुआ वृक्ष ही है। उसी को आधार मानकर सभ्यता, मनुष्यता एवं पर्यावरण को क्षय होते हुए देखकर आहत होते हैं।

Q 4. घर, शहर और देश के बाद कवि किन चीजों को बचाने की बात करता है और क्यों ?

उत्तर :- घर, शहर और देश के बाद कवि नदियों, हवा, भोजन, जंगल एवं मनुष्य को बचाने की बात करता है क्योंकि नदियाँ, हवा, अन्न, फल, फूल जीवनदायक हैं। इनकी रक्षा नहीं होगी तो मनुष्य के स्वास्थ्य की रक्षा नहीं हो सकती है।

Q 5. "एक वृक्ष की हत्या' कविता का समापन करते हुए कवि अपने किन अंदेशों का जिक्र करता है और क्यों ?

उत्तर :- कवि को अंदेशा है कि आज पर्यावरण, हमारी प्राचीन सभ्यता, मानवता तक के जानी दुश्मन समाज में तैयार हैं। अंदेशा इसलिए करता है क्योंकि आज लोगों की प्रवृत्ति वृक्षों की काटने की हो गई। सभ्यता के विपरीत कार्य करने की प्रवृत्ति बढ़ रही है, मानवता का ह्रास हो रहा है।

Q 6. "एक वृक्ष की हत्या' कविता में एक रूपक की रचना हुई है। रूपक क्या है और यहाँ उसका क्या स्वरूप है ? स्पष्ट कीजिए।

उत्तर :- रूपक भावाभिव्यक्ति की एक विधा है । इसमें कवि की कल्पना मूर्तरूप में चित्रित होती है। यहाँ वृक्ष की महत्ता को मूर्त रूप देते हुए उसे एक प्रहरी के रूप में दिखाया गया है।

Q 7. 'एक वृक्ष की हत्या' का सारांश अपने शब्दों में लिखें।

उत्तर :- कवि जब कभी बाहर से आता था तब अपने घर के दरवाजे पर खड़े बढे वृक्ष को देखकर उसे एक आनंदपूर्ण संतोष मिलता था। पर आज जब वह बाहर : से घर आया तब उसे अपने घर के दरवाजे पर नहीं देखकर उसे बड़ा दुःख हुआ। उसे एक रिक्तता और खालीपन का अहसास हुआ। वह बूढ़ा वृक्ष उसके घर के दरवाजे पर हमेशा चौकस-चौकन्ना रहता था। वह वृक्ष उसके घर का पहरेदार था जैसे। पर, वह बूढ़ा चौकीदार वृक्ष किसी के स्वार्थ की बलि चढ़ गया। उसे काट डाला गया। उसकी हत्या हो गई। कवि को पहले से ही आशंका थी कि किसी की निगाहें उस बूढ़े वृक्ष पर लगी हुई हैं, वह अवश्य ही बूढे वृक्ष की हत्या कर देगा और सचमुच, हुआ भी वही। वृक्ष की हत्या कर कवि अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करता हुआ कहता कि हमारी असावधानी के चलते ही ऐसा होता है कि कोई प्राणिजगत की रक्षा करनेवाले को ही अपने स्वार्थ के लिए मार डाला है। वृक्ष की हत्या के बाद कवि को आशंका होती है कि कहीं लुटेरे उसके घर को, शहर को और देश को ही लूट न लें। सब जगह लूट मची है। कवि 'लूट' के प्रति सावधान रहने की बात करता है। वह वृक्ष । की हत्या को पर्यावरण की हत्या का एक अंग मानता है। वह पर्यावरण की चिंताओं से ग्रस्त हो जाता है। वह आत्मसजग होकर घोषणा करता है कि हमें नदियों को नाला होने से, हवा को धुंआ होने से (विषाक्त होने से) और खाद्य पदार्थ को जहर होने से (कीटनाशक दवाओं के छिड़काव और रासायनिक खादों के प्रयोग से खाद्य पदार्थों के जहर होने से) बचाना है। जंगलों के काटने से मरुस्थलों का लगातार विस्तार हो रहा है और भौतिकता के प्रति विशेष आग्रह के कारण सभ्य कहलानेवाला आदमी निरंतर असभ्य होता जा रहा है। कवि इस चिंता से ग्रस्त है। कवि इन तमाम आशंकाओं के बीच अपने कर्मठ होने का परिचय देते हुए कहता है कि हमें इन सारी अव्यवस्थाओं को दूर करने के लिए तैयार हो जाना चाहिए। हमें हर कीमत पर अपने घर, नगर, देश, नदियों, हवा, खाद्य-पदार्थ, जंगल तथा मानव की सुरक्षा करनी है। . तुरंत काटे गए एक वृक्ष के बहाने पर्यावरण, मनुष्य और सभ्यता के विनाश की 'अंतर्व्यथा को यह कविता अभिव्यक्त करती है।

Q 8. कविता की प्रासंगिकता पर विचार करते हुए एक टिप्पणी लिखें।

उत्तर :- आज प्राचीन सभ्यता का ह्रास हो रहा है। पर्यावरण का ख्याल नहीं रखा जा रहा है। वृक्ष एवं जंगल काटे जा रहे हैं। मानवता का गुण नष्ट हो रहा है। पशुता एवं राक्षसत्व का गुण बढ़ रहा है । नदियों का स्वच्छ जल प्रदूषित हो रहा है। ऐसी विषम परिस्थितियों में कवि का इस ओर ध्यान दिलाना प्रासंगिक है। आज के प्रसंग में कवि की कल्पना चरितार्थ हो रही है। कवि का अंदेशा सत्य

हो रहा है। हमें वृक्ष, पर्यावरण, मनुष्यता; सभ्यता एवं राष्ट्रीयता के प्रति संवेदनशील होना होगा। इन सबकी रक्षा के लिए गंभीरता से विचार करना होगा ताकि आने वाला समय सुखद हो, धरती पर मानवता स्थापित हो सके, संस्कारक्षम वातावरण का निर्माण किया जा सके।

Q 9. दूर से ही ललकारता, 'कौन ?' मैं जवाब देता, 'दोस्त !' की व्याख्या कीजिए।

उत्तर :- प्रस्तुत पंक्ति हिन्दी पाठ्य-पुस्तक के कुँवरः नारायण रचित 'एक वृक्ष की हत्या' पाठ से उद्धत है । इसमें कवि ने एक वृक्ष के कटने से आहत होता है और इसपर चिंतन करते हुए पूरे पर्यावरण एवं मानवता पर खतरा की आशंका से आशंकित हो जाता है। इसमें अपनी संवेदना को कवि ने अभिव्यक्त किया है। प्रस्तुत व्याख्येय अंश में कवि कहता है कि जब मैं अपने घर लौटा तो पाया . कि मेरे घर के आगे प्रहरी के रूप में खड़े वृक्ष को काट दिया गया है। उसकी याद करते हुए कवि कहते हैं कि वह घर के सामने अहर्निश खड़ा रहता था मानो वह गृहरक्षक हो । जब मैं बाहर से लौटता था उसे दूर से देखता था और मुझे प्रतीत होता था कि वृक्ष मुझसे पूछ रहा है कि तुम कौन हो ? तब मैं बोल पड़ता था कि मैं तुम्हारा मित्र हूँ। यहाँ वृक्ष और मनुष्य की संगति का बखान है।

Q 10. 'बचाना है जंगल को मरुस्थल हो जाने से/बचाना है-मनुष्य को जंगली हो जाने से' की व्याख्या कीजिए

उत्तर :- प्रस्तुत पद्यांश हमारी पाठ्य-पुस्तक के एक वृक्ष की हत्या' पाठ से उद्धृत है। इसमें कवि भविष्य में आने वाले प्राकृतिक संकट, मानवीयता पर खतरा एवं ह्रास होते सभ्यता की ओर ध्यानाकर्षण कराते हुए भावी आशंका को व्यक्त किया है।

प्रस्तुत व्याख्येय अंश में कवि ने कहा है कि अगर हम इस अंधाधुंध विकास क्रम में विवेक से काम नहीं लेंगे तो वृक्ष कटते रहेंगे और भविष्य में जंगल मरुस्थल का रूप ले लेगा। साथ ही मानवता की सभ्यता की रक्षा के प्रति सचेत नहीं होंगे तो मानव भी जंगल का रूप ले सकता है। मानवीयता पशुता में परिवर्तित हो सकता है। मानव दानवी प्रवृत्ति अपनाता दिख रहा है और इस बढ़ते प्रवृत्ति

को रोकना आवश्यक होगा। अर्थात् कवि मानवीयता स्थापित करने हेतु चिंतनशील है, सभ्यता की सुरक्षा हेतु पर्यावरण-संरक्षण के लिए सजग होने की शिक्षा दे रहे हैं।

Q 11. निम्नलिखित पंक्तियों का भाव सौंदर्य स्पष्ट करे :

"धूप में वारिश में; गर्मी में सर्दी में
हमेशा चौकन्ना; अपनी खाकी वर्दी में"

उत्तर :- कवि ने इन पंक्तियों में एक बूढ़ा वृक्ष को युगों-युगों का प्रहरी मानते हुए सभ्यता-संस्कृति की रक्षा हेतु मानव को जगाने का प्रयास किया है। कवि की कल्पना ने वृक्ष को अभिभावक, चौकीदार, पहरुआ के रूप में चित्रित कर मानवीयता प्रदान किया है। इसमें वृक्ष की चेतनता, कर्तव्यनिष्ठता एवं आत्मीयता दर्शाई गई है।

1. 'एक वृक्ष की हत्या' के कवि हैं-

(A) कुँवर नारायण

(B) वीरेन डंगवाल

(C) अनामिका

(D) जीवनानंद दास

ANS – (A)

2. कुँवर नारायण का जन्म कब और कहाँ हुआ था?

(A) 7 मार्च, 1911 ई० कुशीनगर उ०प्र०

(B) 19 सितम्बर, 1927 ई० लखनऊ उ०प्र०

(C) 5 अगस्त, 1947 ई० गढ़वाल उत्तरांचल

(D) 17 अगस्त, 1961 ई० मुजफ्फरपुर बिहार

ANS – (B)

3. एक वृक्ष की हत्या में कवि देश को किससे बचाने की बात करता है?

(A) भ्रष्टाचार से

(B) गरीबी से

(C) राजनेता से

(D) देश के दुश्मनों से

ANS – (D)

4. कुँवर नारायण ने बूढ़ा चौकीदार किसे कहा है?

(A) पहाड़

(B) व्यक्ति

(C) वृक्ष

(D) सैनिक

ANS – (C)

5. 'एक वृक्ष की हत्या' कविता में कवि किसे बचाने की बात करता है?

(A) घर

(B) शहर

(C) देश

(D) सभी

ANS – (D)

6. पाठ्य पुस्तक की कौन-सी कविता पर्यावरण, मनुष्य और सभ्यता के विनाश की अंतर्व्यथा को अभिव्यक्त करती है?

(A) हिरोशिमा

(B) एक वृक्ष की हत्या

(C) हमारी नींद

(D) सभी को

ANS – (B)

7. एक वृक्ष की हत्या कविता में कवि ने वृक्ष को किस रूप में व्यक्त किया है?

(D) अक्षर-ज्ञान

(A) बूढ़ा व्यक्ति

(B) बूढ़ा चौकीदार

(C) सिपाही

(D) इनमें से कोई नहीं

ANS – (B)

8. कविता में पेड़ की डाल की तुलना किससे की गई है?

(A) डण्डा से

(B) राइफल से

(C) तीर से

(D) भाला से

ANS – (B)

9. 'एक वृक्ष की हत्या' कविता में कवि शहर को किससे बचाने की बात करता है?

(A) लुटेरों से

(B) देश के दुश्मनों से

(C) नादिरों से

(D) इनमें से कोई नहीं

ANS – (B)

10. 'एक वृक्ष की हत्या' कविता किस काव्य-संग्रह से संकलित है?

(A) दीपशिखा

(B) ग्राम्या

(C) इन दिनों

(D) चिंता

ANS – (C)

11. धूप में बारिश में गर्मी में सर्दी में हमेशा चौकन्ना अपनी खाकी वर्दी में प्रस्तुत पंक्तियाँ किस कविता की है?

(A) लौटकर आऊँगा फिर

(B) मेरे बिना तुम प्रभु

(C) एक वृक्ष की हत्या

(D) हीरोशिमा

ANS – (C)

12. 'एक वृक्ष की हत्या' कविता कुँवर नारायण के किस कविता संग्रह से संकलित है?

(A) चक्रव्यूह

(B) अपने सामने

(C) कोई दूसरा नहीं

(D) इन दिनों

ANS – (D)

13. 'नगर-संवेदना' के कवि हैं-

(A) स० हो० वात्स्यायन अज्ञेय

(B) वीरेन डंगवाल

(C) कुँवर नारायण

(D) सुमित्रानंदन पंत

ANS – (C)

14.'एक वृक्ष की हत्या' शीर्षक पाठ में दूर से कौन ललकारता है?

(A) चोर

(B) डाकू

(C) वृक्ष रूपी चौकीदार

(D) शत्रु

ANS – (C)

15. कुँवर नारायण कवि है-

(A) ग्राम संवेदना के

(B) नगर संवेदना के

(C) ममत्व संवेदना के

(D) पितृत्व संवेदना के लिए

ANS – (B)

16. दूर से ही ललकारता, "कौन?"

मैं जवाब देता, "दोस्त!"

पंक्ति किस पाठ से है?

(A) एक वृक्ष की हत्या

(B) स्वदेशी

(C) भारतमाता

(D) हमारी नींद

ANS – (A)

17. 'आत्मजयी' नामक प्रबंध काव्य किस कवि द्वारा लिखा गया है?

(A) गुरुनानका

(B) वीरेन डंगवाल

(C) कुँवर नारायण

(D) प्रेमघन

ANS – (C)

18. कुँवर नारायण कविता लिखने की शुरुआत कब की?

(A) 1940 के आस-पास

(B) 1942 के आस-पास

(C) 1945 के आस-पास

(D) 1950 के आस-पास

ANS – (D)

19. कवि के अनुसार वृक्ष की सूखी डाली किस तरह थी?

(A) झुरियोंदार

(B) मैलाकुचैला

(C) राइफिल की तरह

(D) चौकीदार की तरह

ANS – (C)

20.कुँवर नारायण द्वारा रचित प्रबंधकाव्य है-

(A) आत्मजयी

(C) चक्रव्यू

(B) मेरे साक्षात्कार

(D) सदानीरा

ANS – (A)

21. कवि के अनुसार वृक्ष रूपी चौकीदार का पगड़ी कैसा है?

(A) मैलाकुचैला

(B) फूलपत्तीदार

(C) रेशमी चमकदार

(D) मलेट्री टोपी

ANS – (B)